माध्यम – हिन्दी

O

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

मु.उ.पु. 24 पृष्ठ

कार्यालयीन उपयोग के लिए

निम्न रिक्तियों की सही प्रविष्टि परीक्षार्थी द्वारा की जाए।

परीक्षा के नाम की सील: हाईस्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा

1. विषय कोड 3 0 0 — परीक्षा का विषय सामाजिक विज्ञान

2. परीक्षा का माध्यम हिन्दी परीक्षा की दिनांक 07-03-0

केन्द्र क्रमांक की सील 44 56

3. परीक्षार्थी प्रश्न पत्र का पूर्ण कोड नम्बर (सेट A, B, C, [redacted] अंतर्गत: भरें

कोड	सेट
T-1035	D

[redacted]

उत्तर पुस्तिका का सरल क्रमांक K 3354578

परीक्षार्थी का अनुक्रमांक (अंग्रेजी अंकों में)

1	3	4	4	2	7	1	2	5

नीचे दिये प्रत्येक कालम में ऊपर दिये गये अनुक्रमांक के अंकों को [redacted] क्रम में शब्दों में लिखा जाए :–

[redacted] चार दो सात एक दो पाँ

पर्यवेक्षक / केन्द्राध्यक्ष का प्रमाणीकरण

प्रमाणित किया जाता है कि परीक्षार्थी द्वारा निम्नानुसार पूरक उत्तरपुस्तिका ली गई है :–

क :– संख्या शब्दों में × अंकों में ×

ख :– परीक्षार्थी की बैठक व्यवस्था कक्ष क्रमांक 13 में है।

ग :– उत्तर पुस्तिका पर प्रश्न–पत्र का कोड नम्बर एवं सेट सही लिखा है।

हस्ताक्षर (पर्यवेक्षक) — 7-3-09

नाम हरिराम गेहलोत पद स० अ०

पता / संस्था शा. प्रा. वि. नायन

परीक्षार्थी द्वारा ली गई सभी पूरक उत्तर पुस्तिकायें, मुख्य उत्तर पुस्तिका के साथ संलग्न हैं।

हस्ताक्षर केन्द्राध्यक्ष

BSEMP

परीक्षार्थी, परीक्षक से अपेक्षा है कि वे पृष्ठ भाग पर दिये गये निर्देशों का यथेष्ट पालन सुनिश्चित करेंगे।

प्रमाणित किया जाता है कि उपरोक्तानुसार संलग्न पूरक उत्तर पुस्तिका चस्पा स्थिति में यथावत् रखते हुए ही उत्तरपुस्तिका का मूल्यांकन किया ... पुस्तिका के अन्दर के अंक एवं कव्हर पृष्ठ पर दर्शाये अंक एक समान है एवं योग पूर्णतः सही है।

हस्ताक्षर (परीक्षक)

परीक्षक क्रमांक 418

हस्ताक्षर (उपमुख्य परीक्षक)

दिनांक............

हस्ताक्षर (मुख्य परीक्षक)

दिनांक............

परीक्षार्थी के लिए निर्देश

1. परीक्षार्थी को अपना अनुक्रमांक / विषय / माध्यम / दिनांक एवं प्रश्न–पत्र का कोड (समूह) मुख पृष्ठ पर अंकित करना अनिवार्य है। अन्यत्र कहीं भी नहीं लिखा जाएगा।
2. अनुक्रमांक नीचे दिये गए उदाहरण अनुसार लिखा जाए :–

1	8	2	4	3	9	5	6	8
एक	आठ	दो	चार	तीन	नौ	पाँच	छः	आठ

3. उत्तर पुस्तिका के दोनों ओर पृष्ठों में लिखें। बीच में रिक्त स्थान न छोडें। भूल से छूटा / रिक्त स्थान तथा शेष खाली पृष्ठों को क्रास किया जाए।
4. परीक्षार्थी प्रश्न पत्र हल करते समय ही, कव्हर पृष्ठ पर दी गई तालिका में प्रश्न क्रमांक के सम्मुख वाले कालम में उत्तरपुस्तिका का वह पृष्ठ क्रमांक अनिवार्य रूप से अंकित करें जिस पर प्रश्न का उत्तर लिखा गया है। यदि पूरक उत्तरपुस्तिका का उपयोग किया गया हो, तो उस पर 25 से प्रारंभ करते हुए पृष्ठ क्रमांक परीक्षार्थी द्वारा स्वयं डाले जाएँ।

परीक्षक के लिए निर्देश

1. केवल उन्हीं उत्तरपुस्तिकाओं का मूल्यांकन करें जिन पर होलो क्राफ्ट स्टीकर चस्पा है।
2. उत्तरपुस्तिका का मूल्यांकन होलो क्राफ्ट स्टीकर को चस्पा स्थिति में यथावत् रखते हुए ही किया जाये।
3. बिना होलो क्राफ्ट स्टीकर वाली तथा फटे हुए होलो क्राफ्ट स्टीकर वाली सभी उत्तरपुस्तिकाऐं मूल्यांकन हेतु परीक्षा नियंत्रक, माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल को व्यक्तिशः रूप से भेजी जाये।

मूल्यांकन केन्द्र के लिए निर्देश

1. **O.M.R. SHEET** पर प्राप्तांक की प्रविष्टि करने हेतु केवल वही उत्तरपुस्तिकाएँ प्राप्त करें, जिनका मूल्यांकन होलो क्राफ्ट स्टीकर को चस्पा स्थिति में यथावत् रखते हुए ही किया गया है। यदि होलो क्राफ्ट स्टीकर फटा हुआ पाया जाता है तो ऐसी उत्तरपुस्तिकाऐं मूल्यांकन केन्द्र अधिकारी को पृथक से सौंपी जाएँ। ऐसे प्रकरणों के प्राप्तांकों की प्रविष्टि **O.M.R. SHEET** में नहीं की जाए। मूल्यांकन केन्द्र अधिकारी ऐसी उत्तरपुस्तिकाऐं पुनः मूल्यांकन के लिये परीक्षा नियंत्रक, माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल को व्यक्तिशः रूप से सौपेंगे।
2. उत्तरपुस्तिका के मुख्य पृष्ठ में अंकों एवं शब्दों में अंकित प्राप्तांकों को मिलान कर **O.M.R. SHEET** में अंकों की सटीक प्रविष्टि करें।
3. **O.M.R. SHEET** पर प्रमाणीकरण कर हस्ताक्षर करें।

प्रश्न 1 —

'अ'		'ब'
(अ) बेगम हजरत महल	-	अवध
(ब) जंगल सत्याग्रह	-	सिवनी
(स) मछली पालन	-	नीली क्रांति
(द) संविधान की व्याख्या	-	सर्वोच्च न्यायालय
(इ) डिग्रिहल चार्ट्स	-	मालद्वीव

प्रश्न 2 →

(अ) भारत के सूती वस्त्र की राजधानी है —
उत्तर → मुम्बई।

(ब) मण्डला जिले के रामगढ़ की रानी का नाम लिखिए।
उत्तर → रानी अवन्तीबाई।

(स) सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश की सेवानिवृत्ति आयु क्या है?
उत्तर → 65 वर्ष।

(द) प्रो॰ अमर्त्य सेन ने विकास का आधार किसे माना है?
उत्तर → प्रो॰ अमर्त्य सेन ने आर्थिक कल्याण को विकास का आधार माना है।

(इ) डॉक्टर, शिक्षक, वकील आदि की सेवाएँ किस कार्यक्षेत्र की हैं?
उत्तर — तृतीयक क्षेत्र।

B
S
E
I

प्रश्न 3 →

(अ) कौन सा कारक मृदा के निर्माण में सहायक नहीं है?
उत्तर → पानी का इकट्ठा होना।

(ब) निम्नलिखित में जैविक आपदा है –
उत्तर → बर्ड फ्लू।

(स) पंजाब के गवर्नर ओ० डायर की हत्या गोली मारकर की थी –
उत्तर → ऊधम सिंह ने।

(द) भारत में बेरोजगारी का कारण है –
उत्तर → उपर्युक्त सभी।

(इ) सेवा क्षेत्र रोजगार प्रदान करता है –
उत्तर → प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष दोनों रूपों से।

प्रश्न 4 →

(अ) केन्द्रीय वनायोग की स्थापना सन् 1950 में की गई।

(स) मुहम्मडन एंग्लो ओरियण्टल कॉलेज की स्थापना सैय्यद अहमद खाँ ने की थी।

(द) लोकसभा के सदस्यों की अधिकतम संख्या 552 है।

पृष्ठ के अंकों का योग

(इ) उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 1986 ई. में लागू किया गया।

प्रश्न 5 →

(अ) 1929 के लाहौर अधिवेशन में 'पूर्ण स्वराज्य' का प्रस्ताव पास किया गया। (सत्य)

(ब) संविधान सभा की प्रारूप समिति के अध्यक्ष डॉ. राजेन्द्र प्रसाद थे। (असत्य)

(स) धन विधेयक केवल लोकसभा में ही प्रस्तुत होता है। (सत्य)

(द) कृषि प्राथमिक क्षेत्र में सम्मिलित है। (सत्य)

(इ) एन्थ्रेसाइट एक सर्वोत्तम कोयला है। (सत्य)

प्रश्न 6 → भारत एक कृषि प्रधान देश है परन्तु पञ्चवर्षीय योजनाओं के क्रियान्वन के पश्चात् उद्योगों का राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था में योगदान क्रमशः बढ़ा है जो इसप्रकार है :-

1. उद्योगों से उत्पादन में वृद्धि :- उद्योगों से राष्ट्रीय उत्पादन में वृद्धि हुई है परिणामस्वरूप सकल घरेलू उत्पादन में वृद्धि हुई है।

B S E M P

का योग

2. रोजगार की प्राप्ति :— उद्योगों के विकास के पूर्व रोजगार केवल कृषि पर निर्भर था परन्तु उद्योगों ने देश में लोगों को रोजगार उपलब्ध कराया है जिससे लोगों का जीवन स्तर ऊँचा उठा है और प्रतिव्यक्ति आय में वृद्धि हुई है।

3. पूंजी का निर्माण :— उत्पादन में वृद्धि के कारण बचत एवं विनियोग दर बढी है जिससे पूंजी निर्माण प्रक्रिया तीव्र हुई है। उद्योगों के कारण ही देश का निर्यात भी बढ़ा है।

4. अर्थव्यवस्था के अन्य खण्डों में वृद्धि :— उद्योगों के अर्थव्यवस्था में बढ़ते योगदान के कारण अर्थव्यवस्था के अन्य खण्डों जैसे कृषि, परिवहन, व्यापर आदि में वृद्धि हुई है।

प्रश्न 7 पाँच आयात की जाने वाली वस्तुएँ →
1. धातुएँ 2. अलौह धातुएँ 3. परिवहन के साधन 4. विद्युत उपकरण 5. मशीनरी का सामान

एक देश जब किसी दूसरे देश से वस्तुएँ मँगवाता है तो उसे आयात कहते हैं। भारत प्रमुखतया उन्हीं वस्तुओं का आयात करता है जो देश के औद्योगिक विकास के लिए आवश्यक है।

B
S
F
M
P

पृष्ठ के अंकों का योग

पाँच निर्यात की जाने वाली वस्तुएँ :-

1. जूट 2. कपास 3. कहवा 4. रबर

5. चन्दन तेल ।

जब कोई देश अपने देश में उत्पादित वस्तुओं को अन्य देशों को बेचता है तो इसे निर्यात कहते हैं।

प्रश्न 8 →

महामारी :- महामारी को किसी ऐसे रोग अथवा स्वास्थ्य संबंधी अन्य घटना के रूप में परिभाषित किया जाता है जो असाधारण अथवा अप्रत्याशित रूप से अचानक फैल जाती है।

महामारी (प्रकोप) की स्थिति तब होती है जब किसी रोग से पीड़ितों की संख्या अनुमान से बहुत अधिक हो जाती है।

कारण :- 1. किसी रोग विशेष के वाहकों का निकट होना जैसे:- प्लेग, प्लेग चूहों द्वारा फैलता है तथा यह पिस्सुओं द्वारा चूहों तक ले जाया जाता है।

2.

प्रश्न 9 → 1857 के स्वतंत्रता संग्राम का भारतीय इतिहास में महत्व :-

इस संग्राम का भारतीय इतिहास अत्यधिक महत्व है। इस

संग्राम ने अंग्रेजों की जड़ों को हिला कर रख दिया था।
इस संग्राम का महत्त्व इसप्रकार है :-
1. हिन्दू-मुस्लिम एकता का प्रदर्शन :- 1857 के स्वतंत्रता संग्राम में हिन्दुओं व मुस्लिमों ने साथ मिलकर अंग्रेजों का सफाया करने का निश्चय किया था। इस संग्राम में हिन्दु मुस्लिम एकता का प्रदर्शन हुआ।

2. भारतीयों में नवीन उत्साह का संचार :- इस संग्राम से पहले भारतीय अंग्रेजों को अजेय समझते थे। परन्तु उन्होंने देखा कि कई जगहों पर अंग्रेजों को भी अपने मुँह की खानी पड़ी। इससे भारतीयों में अंग्रेजों को पुन: हराने के उत्साह का संचार हुआ।

3. क्रांति में किसानों दस्तकारों का भाग लेना :- इस संग्राम का महत्त्व इसलिए भी अत्यधिक रहा कि इसमें किसानों व दस्तकारों ने भी सैनानियों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर भाग लिया।

4. राजाओं व सामन्तों की दुर्बलताओं पर प्रकाश :- इस स्वतंत्र संग्राम ने राजाओं व सामन्तों की दुर्बलताओं पर प्रकाश डाला। जहाँ एक ओर क्रांतिकारी व सैनिक अंग्रेजों से अपने प्राणों

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

का सौदा कर रहे थे वहीं ये राजा व सामन्त अंग्रेजों का साथ दे रहे थे।

प्रश्न 10 → 1971 के भारत-पाक युद्ध के परिणाम :—

1. बांग्लादेश का निर्माण :— 1971 के भारत पाक युद्ध का परिणाम यह हुआ कि उसे अब पाकिस्तान को अपने महत्त्वपूर्ण भाग पूर्वी पाकिस्तान से हाथ धोना पड़ा यह पूर्वी पाक. अब बांग्लादेश के रूप में प्रतिष्ठित हो चुका था। इससे पाकिस्तान की जनसंख्या, क्षेत्रफल व शक्ति कम हुई।

2. चीन व अमेरिका की महत्त्वाकांक्षाओं की पराजय :- इस युद्ध में पाकिस्तान की पराजय के साथ ही चीन व संयुक्त राज्य अमेरिका की महत्त्वाकांक्षाओं की पराजय हुई।

3. भारत की सोवियत संघ के साथ मित्रता :— चीन से संबंध तनावपूर्ण होने के पश्चात भारत की अमेरिका के साथ मित्रता हुई थी इस युद्ध के पश्चात भारत को मालूम हुआ कि अमेरिका उसका हितैषी नहीं है इसीलिए भारत ने सोवियत संघ के साथ मित्रता बढ़ाई।

4. पाकिस्तान की आंतरिक राजनीति पर गहरा प्रभाव :— हार से उत्तेजित लोगों ने विरोध प्रदर्शन किए तथा राष्ट्रपति याहिया खाँ से इस्तीफे की माँग की। याहिया खाँ को इस्तीफा देना

B S E M P

पड़ा उनका स्थान जुल्फिकार भुट्टो ने लिया जिन्हें विरासत में कई समस्याएँ मिली। विभक्त अनमन, विभक्त सैन्य शक्ति, विभक्ति नेतृत्व व विभक्त मन :स्थिति वाला पाकिस्तान नियति के चक्र में बुरी तरह फँस गया।

प्रश्न 11 → लोकसभा के सदस्यों की निर्धारित योग्यताएँ निम्नलिखित हैं :—

1. वह भारत का नागरिक हो।
2. उसकी आयु 25 वर्ष या उससे अधिक हो।
3. वह केन्द्र या राज्य सरकारों के अधीन किसी लाभ के पद पर न हो।
4. ~~वह~~ उसे संसद के किसी कानून द्वारा चुनाव लड़ने के अयोग्य घोषित कर दिया गया हो।
5. वह पागल या दिवालिया न हो।

प्रश्न 12 →

मुद्रा :— प्रो. मार्शल के अनुसार :— "मुद्रा वह वस्तु है जिसका किसी भी समय अथवा स्थान पर बिना किसी संदेह अथवा जाँच के वस्तुओं तथा सेवाओं के क्रय तथा व्यय के भुगतान के रूप में उपयोग किया जाता है।"

मुद्रा के कार्य :—

BSFMP

पृष्ठ के अंकों का योग

योग

BSEMP

1. विनिमय का माध्यम :— मुद्रा विनिमय का प्रमुख माध्यम होती है बाजार में सभी वस्तुओं का क्रय विक्रय इसी के द्वारा होता है। प्रो० मार्शल के अनुसार :— "मुद्रा केवल इसलिए महत्त्वपूर्ण नहीं होती कि यह स्वयं मूल्यवान होती है, वरन् इसलिए भी कि इससे वस्तुओं एवं सेवाओं को प्राप्त किया जा सकता है, क्योंकि इसमें क्रय शक्ति होती है।"

2. मूल्य का मापन :— बाजार में प्रत्येक वस्तु के मूल्य का मापन मुद्रा द्वारा ही किया जाता है प्रो० केलबर्न के अनुसार :— "यह मूल्य का मापन अति महत्त्वपूर्ण है क्योंकि अर्थव्यवस्था में लाभ हानि को इसी के द्वारा मापा जाता है।

3. क्रय शक्ति का हस्तांतरण :— मुद्रा के द्वारा क्रयशक्ति का हस्तांतरण किया जाता है इसे आसानी से बैंक या चेक के द्वारा कहीं भी भेजा जा सकता है।

4. क्रय शक्ति का संचय :— मानव स्वभाव से ही विपत्तियों से निपटने के लिए बचत करता है। मुद्रा का संचय आसानी से बैंक आदि में किया जा सकता है।

प्रश्न 13 — (i) मंदसमीर (ii) धुन्ध (iii) ओला (iv) धुंधला प्रकाश (v) कुहासा

(i) मंद तुषार :— →

(ii) धुन्ध :— ∞

(iii) ओला :— △

(iv) धुंधला प्रकाश :— ⊗

(v) कुहासा :— =

प्रश्न 14 → प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के सेनानी :—

1. रानी लक्ष्मी बाई :— रानी लक्ष्मीबाई ने बचपन से ही घुड़सवारी, तलवारबाज़ी आदि सीखी थी उनका विवाह गंगाधर राव के साथ हुआ था। सन् 1954 में उनकी मृत्यु के पश्चात् अंग्रेजों ने रानी के दत्तक पुत्र को गद्दी पर बिठाने से इनकार किया तथा उनके राज्य को हड़प लिया। रानी लक्ष्मीबाई अंग्रेजों से अत्यंत वीरता से लड़ते हुए वीरगति को प्राप्त हुई।

2. तात्याटोपे :— तात्या टोपे उन सैनानियों में से थे जिनकी आरंभिक निष्ठा पेशवा परिवार के प्रति थी। वे उनकी गुरिल्ला पद्धति से युद्ध करना, साहस, साधनहीनता की स्थिति में भी युद्ध जारी रखने की कुशलता आदि के करण जाने जाते हैं।

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

3. बहादुरशाह जफर :— क्रांति में बहादुरशाह जफर को सैनिकों ने उनका राजा घोषित कर दिया था। उन्होंने अंग्रेजों का अत्यंत वीरता के साथ सामना किया परन्तु उन्हें पकड़ लिया गया। अंग्रेजों ने उन्हें रंगून निर्वासित कर दिया।

4. नाना साहेब :— नाना साहब भूतपूर्व पेशवा बाजीराव द्वितीय के दत्तक पुत्र थे और बिठूर में निवास करते थे। अंग्रेजों द्वारा उनकी पेंशन बंद किए जाने के उन्होंने अपने वफादार सैनिकों अजिमुल्लाह व तात्याटोपे की मदद से अंग्रेजों से युद्ध किया और उन्हें पराजित किया।

5. बेगम हजरत महल :— बेगम हजरत महल अवध के नवाब की विधवा थी। क्रांति का आरंभ होने पर उन्होंने अपने पुत्र बिराजिस कादर को गद्दी पर बैठाया और अंग्रेजों से युद्ध किया। बाद में सुरक्षा की ~~दृष्टि~~ दृष्टि से वे नेपाल चली गई।

प्रश्न 15 जब भारत छोड़ो आंदोलन प्रारंभ किया गया था तब देश के सभी बड़े नेताओं को गिरफ्तार कर लिया गया था जिससे यह आंदोलन नेतृत्वहीन हो गया। परन्तु जनता ने स्वयं को संगठित किया और धीरे धीरे यह एक स्वतःस्फूर्त आंदोलन बन गया। जनता ने निम्नलिखित कार्य किए जिसके कारण यह आंदोलन ~~भी~~ अन्य आंदोलनों

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

BSEMP

से भिन्न हो गया :—

1. परिवहन के साधनों को नष्ट-भ्रष्ट करना :— जनता ने परिवहन के साधनों को नष्ट भ्रष्ट किया जो कि पहले किसी भी आंदोलन में नहीं किया गया था।

2. शासकीय अभिलेखों को विनष्ट करना :— जनता ने परिवहन के साधनों को नष्ट करने के साथ-साथ शासकीय अभिलेखों को भी नष्ट किया।

3. पुलिस स्टेशनों पर आक्रमण :— उत्साई जनता ने पुलिस स्टेशनों पर आक्रमण

4. सरकार के प्रत्येक कानून की अवज्ञा :— इस आंदोलन में आंदोलनकारियों ने सरकार के प्रत्येक कानून की अवज्ञा की ऐसा पहले किसी आंदोलन में पूर्ण रूप से नहीं हो पाया था।

5. अहिंसा के सिद्धांतों का अतिक्रमण :— यह इस आंदोलन की अन्य आंदोलनों से सबसे बड़ी भिन्नता थी। पुलिस की उत्तेजनात्मक कार्यवाही के कारण जनता को अहिंसा के सिद्धांतों का अतिक्रमण भी किया।

प्रश्न 16 → भारत में संसदीय व संघात्मक व्यवस्था को अपनाया गया है। संघात्मक व संसदीय शासन व्यवस्था का वर्णन इस प्रकार है :—

1. संघात्मक शासन व्यवस्था :— संघात्मक शासन व्यवस्था में शक्ति को एक जगह केन्द्रित न करके संघों में बाँट दिया जाता है प्रत्येक संघ अपने आप में स्वतंत्र होता है। इसमें निं लिं बातें आवश्यक होती हैं :—

1. दोहरी सरकारें।
2. द्विसदनात्मक व्यवस्थापिका।
3. शक्ति का विभाजन।
4. लिखित एवं कठोर संविधान।
5. स्वतंत्र व निष्पक्ष न्यायपालिका।

2. संसदीय शासन व्यवस्था :— संसदीय शासन व्यवस्था में व्यवस्थापिका के दो सदन होते हैं :— लोकसभा व राज्य सभा। इसमें निंलिं बातें सम्मिलित होती हैं :—

1. केन्द्र की वास्तविक शक्तियाँ कार्यपालिका में निहित होती हैं।
2. कार्यपालिका व्यवस्थापिका के प्रति उत्तरदायी होती है अर्थात् या मंत्रीपरिषद संसद के प्रति उत्तरदायी होती है।
3. मंत्रीपरिषद का मुखिया प्रधानमंत्री होता है तथा मंत्रीपरिषद सामूहिक उत्तरदायित्व के सिद्धांत का पालन करती है।
4. लोकसभा में मंत्रिपरिषद के विरुद्ध अविश्वास का प्रस्ताव पारित होने पर भी मंत्रिपरिषद को त्यागपत्र देना पड़ता है
5. इसमें राष्ट्रपति नाममात्र का शासक होता है।

BSEMP

प्रश्न 17 →

साम्प्रदायिकता :- जब कोई सम्प्रदाय विशेष राष्ट्रहित को भूलकर अपने सम्प्रदाय के प्रति आस्था रखकर अन्य समुदायों को घृणा की दृष्टि से देखता है तथा उन्हें नुकसान पहुँचाता है तो इसे साम्प्रदायिकता कहते हैं।

साम्प्रदायिकता के कारण :-

1. राजनैतिक स्वार्थ :- राजनेता किसी समुदायविशेष की माँगों को अपने वोट बैंकों में इजाफा करने के लिए मान लेते हैं जिससे अन्य समुदायों में असंतोष फैलता है और साम्प्रदायिकता फैलती है।

2. धार्मिक नेताओं के निजी स्वार्थ :- कई धार्मिकनेता अपने अनुयायिओं को केवल धार्मिक शिक्षा के प्रति ही जागरूककरते हैं तथा उन्हें शिक्षा, समानता आदि मुद्दों से दूर रखते हैं जिससे धर्म के नाम पर साम्प्रदायिकता फैलती है।

3. भ्रामक प्रसारण :- भारत में होने वाली छोटी से छोटी बात को बहुत तूल देकर प्रसारित किया जाता है जिससे दूसरेदेशों में रह रहे अन्य धर्मों के लोगों और उसी धर्म के भारत में रह रहे लोगों में साम्प्रदायिकता कीभावना को बल मिलता है आज साम्प्रदायिकताने आतंकवाद जैसी समस्या को जन्म दिया है।

पृष्ठ के अंकों का योग

4. सरकार का उदासीन रवैया :- देश में होने वाली छोटी या बड़ी समस्याओं के प्रति सरकार का उदासीन रवैया भी साम्प्रदायिकता को जन्म देता है क्योंकि ये छोटी-छोटी घटनाएँ आगे चलकर विकराल रूप धारण कर लेती हैं।

18
प्रश्न → उपभोक्ता शोषण के कारण

एक उपभोक्ता वह व्यक्ति होता है जो बाजार से वस्तुओं को खरीदता है। कई बार व्यापारी या दुकानदार मिलावट, अशुद्धता, घटिया गुणवत्ता, मापतौल में गड़बड़ी आदि प्रकारों से उपभोक्ता का शोषण करने में सफल हो जाते हैं जिसके कारण निम्न लिखें हैं :-

1. अज्ञानता तथा सीमित जानकारी :- उपभोक्ता शोषण का कारण उपभोक्ता का जागरूक न होना है। वह वस्तुओं के मूल्य आदि विषयों पर सीमित जानकारी रखता है। उसे 'वस्तु की अंतिम तिथि', 'एम.आर.पी.' आदि की जानकारी नहीं होने से वह शोषण का शिकार हो जाता है।

2. एकाधिकार :- एकाधिकार से आशय है किसी वस्तु के उत्पादन एवं वितरण पर एक व्यक्ति या संस्था का अधिकार। एकाधिकार के कारण व्यक्ति शोषण का शिकार होता है।

3. उपभोक्ताओं का बाजार के प्रति उदासीन रवैया :- उपभोक्ताओं का उदासीन रवैया बाजार के प्रति उपभोक्ता शोषण को जन्म देता है।

B S E M P

"क्या करना है? सब ठीक है। दुकानदार ने दिया है तो अच्छा ही होगा" आदि के सोच रखने वाले उपभोक्ता ठगे जाते हैं।

4. आकर्षक विज्ञापन एवं भ्रामक प्रसार :— कई बार विज्ञापन इतने आकर्षक होते हैं कि उनका मनोविज्ञानिक तौर पर व्यक्तियों पर प्रभाव पड़ता है। "सात दिनों में बाल काले होना, दस दिनों में मोटापा कम होना" आदि आकर्षक विज्ञापनों के बहकावे में आने वाले उपभोक्ता, शोषण का शिकार होते हैं।

5. संतोष की भावना :— कई बार यह देखा जाता है कि उपभोक्ता शोषण का शिकार होने के बाद भी उसके विरुद्ध कोई कार्यवाही नहीं करते। "क्या करें अब किस्मत में यही लिखा था, कोई बात नहीं।" आदि प्रवृत्तियों के उपभोक्ता शोषण का शिकार होते हैं। व्यापारी भी उनकी इस प्रवृति को जानते हैं और खूब शोषण करते हैं।

प्रश्न 19 → आर्थिक प्रणाली :— वह प्रणाली जिसके द्वारा किसी देश की आर्थिक क्रियाओं का संचालन होता है आर्थिक प्रणाली कहलाती है। समाज द्वारा निर्धारित इस व्यवस्था में संसाधनों का समुचित दोहन जनता की भलाई के लिए किया जाता है। प्रो. ए. जे. ब्राउन के अनुसार :— "आर्थिक प्रणाली वह माध्यम है

B
S
E
M
P

जिसके द्वारा लोग अपना जीवन यापन करते हैं।" प्रो० एम. गोरालिक के अनुसार :— "आर्थिक प्रणाली मनुष्य के जीवन संबंधों के उन तरीकों का अध्ययन है जिसके द्वारा उपलब्ध संसाधनों का प्रयोग मानवीय आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए किया जाता है।"

आर्थिक प्रणाली एक व्यापक प्रक्रिया है तथा समय व परिस्थितियों के अनुसार इसमें परिवर्तन हो सकता है।

विशेषताएँ :—

1. उद्देश्य आर्थिक क्रियाओं का संचालन :— आर्थिक प्रणाली का प्रमुख उद्देश्य आर्थिक क्रियाओं का संचालन करना है।
2. प्रमुख समस्याएँ :— इसकी प्रमुख समस्याएँ हैं :— क्या उत्पादित किया जाए, कैसे उत्पादित किया जाए व किसके लिए उत्पादन किया जाए।
3. परिवर्तनशील :— आर्थिक प्रणाली परिवर्तनशील होती है।
4. संस्थाओं का समूह :— आर्थिक प्रणाली संस्थाओं का समूह होती है। इसका संबंध राज्यों या देशों के समूह से हो सकता है।

प्रश्न 20 — वनो से होने वाले लाभों को प्रमुखतया दो भागों में बाँटा जा सकता है :— 1. प्रत्यक्ष लाभ 2. अप्रत्यक्ष लाभ।

प्रत्यक्ष लाभ :—

B S E M P

लकड़ी की :— वनों से हमें सनोवर, शीशम आदि लकड़ियाँ प्राप्त होती हैं। ये लकड़ियाँ ईंधन का कार्य करती हैं तथा इनसे फर्नीचर बनाया जाता है।

2. रोजगार की प्राप्ति :— वनाधारित उद्योगों से लोगों को रोजगार प्राप्त होता है। हमारे देश की जनसंख्या प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से वनों से रोजगार प्राप्त कर रही है।

3. पशुओं के लिए चारागाह :— वन पशुओं के लिए उत्तम चारागाह स्थल होते हैं।

4. विदेशी मुद्रा की प्राप्ति :— वनों से प्राप्त वस्तुओं जैसे चन्दन का तेल, तारपिन, लाख आदि का निर्यात करके विदेशी मुद्रा प्राप्त की जाती है।

5. लघु उद्योगों में सहायक :— वनों से प्राप्त सहायक उपज लघु एवं कुटीर उद्योगों में सहायक होते हैं।

6. सरकार को राजस्व :— वनों से सरकार को राजस्व के रूप में 670 करोड़ रुपए आय प्राप्त होती है।

अप्रत्यक्ष लाभ :—

1. मिट्टी के कटाव में कमी :— वन मिट्टी को अपनी जड़ों से बाँधे रखते हैं जिससे मिट्टी का कटाव नहीं होने पाता।

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

2. रेगिस्तान के प्रसार पर रोक :- वनों से रेगिस्तान के प्रसार पर रोक होती है।

3. वर्षा में सहायक :- वन वर्षा में सहायक होते हैं। वनों को 'वर्षा का संचालक' कहा जाता है।

4. जलवायु सम बनाए रखना :- वन जलवायु को सम बनाए रखते हैं। अधिक तेज हवा के प्रभाव को कम करते हैं तथा शीत हवाओं को भी रोकते हैं इससे वातावरण समशीतोष्ण बना रहता है।

5. ऑक्सीजन की मात्रा पर प्रभाव :- वन O_2 की मात्रा बनाए रखते हैं। CO_2 की मात्रा बढ़ने नहीं देते अर्थात् सभी गैसों का संतुलन बनाए रखते हैं।

6. बाढ़ नियंत्रण में सहायक :- वन बाढ़ नियंत्रण में बहुत अधिक सहायक होते हैं। ये बाढ़ के क्षेत्रों में अधिकांश जल को सोखने में मिट्टी की सहायता करते हैं तथा वाष्पोत्सर्जन के द्वारा पानी को उड़ा देते हैं।

जे० एस० कॉलिन्स के अनुसार :- "वन पर्वतों को थामे रहते हैं, तूफानी वर्षा को दबाते हैं, नदियों को अनुशासन में रखते हैं, झीलों को बनाए रखते हैं तथा पशु-पक्षियों का पोषण करते हैं।"

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

प्रश्न 21 — आपातकाल :- केन्द्र सरकार द्वारा की जा सकने वाली

यो

BSEMP

ऐसी व्यवस्था जिसके द्वारा वह संकटकालीन स्थितियों का ~~समान~~ सामना प्रभावशाली ढंग से कर सके।

आपातकालीन परिस्थितियाँ :— सामान्यतया आपातकाल तीन परिस्थितियों में लगाया जाता है जिसकी घोषणा राष्ट्रपति मंत्रिमण्डल की लिखित अनुशंसा पर करता है :—

1. राष्ट्रीय आपातकाल :— जब राष्ट्रपति को यह विश्वास हो जाए कि देश के किसी भाग पर सशस्त्र विद्रोह, आतंक अथवा सशस्त्र हमला हो सकता है और देश की सुरक्षा खतरे में है वह आपातकाल लगा सकता है।

2. संवैधानिक तंत्र की विफलता से उत्पन्न आपातकाल :— जब राष्ट्रपति को किसी राज्य के राज्यपाल अथवा किसी अन्य कारणों से पता चल जाए कि राज्य में शासन चलाना अब ~~अति~~ कठिन है तथा संवैधानिक तंत्र विफल हो चुका है तो राष्ट्रपति आपातकाल लगा देता है। इस आपातकाल को राष्ट्रपति शासन भी कहते हैं।

3. वित्तीय आपातकाल :— जब देश में घोर वित्तीय संकट उपस्थित हो जाता है तो राष्ट्रपति आपातकाल लगा सकता है।

भारत में आपातकाल :—

राष्ट्रीय आपातकाल :—

1. चीन द्वारा आक्रमण किए जाने के कारण 26 ~~अक्टूबर~~

पृष्ठ के अंकों का योग

योग

26 अक्टूबर 1962 से 10 ~~दिसंबर~~ जनवरी 1968 तक भारत में आपातकाल लगाया गया था।

2. 3 दिसंबर 1971 से 23 मार्च 1977 तक ~~घ~~ भारत-पाकिस्तान युद्ध होने के कारण आपातकाल लगाया गया।

3. आंतरिक उपद्रव की आशंका के आधार पर 25 जून 1975 को आपातकाल लगाया गया था।

संवैधानिक तंत्र की विफलता से उत्पन्न आपातकाल:-

• संवैधानिक तंत्र की विफलता से आपातकाल अनेक बार लगाया जा चुका है।

वित्तीय आपातकाल :-

भारत में वित्तीय आपातकाल अब तक नहीं लगाया गया है।

BSEMP

पृष्ठ के अंक का योग

+ =

योग पूर्व पृष्ठ | पृष्ठ 24 के अंक | कुल अंक

मध्यप्रदेश

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग